अनुमोदित

2021-22

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

विषय – आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण

(नियम, परीक्षा योजना, अंक योजना एवं पाठ्यक्रम)

Scanned with CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण

अकादमिक सत्र 2021 – 22

पाठ्यक्रम का परिचय एवं उद्देश्य :–

आजादी के 72 वर्ष पश्चात भी बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं आम जनता तक उपलब्ध कराने की चुनौती आज भी हम सबके समक्ष है विकास के साथ स्वास्थ्य सेवाएं भी बेहतर से बेहतर हुई हैं इसमें कोई दो राय नहीं कि शहरों में आधुनिक चिकित्सालयों का लाभ तो शहरी जनता के लिए उपलब्ध है किंतु 80% भारत गाँव में बसता है आमतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में 60 से 70% मरीज तो सामान्य बीमारियों से ही पीड़ित होता हैं जिनका इलाज उसी परिवेश में किया जाकर अनावश्यक परेशानियों एवं खर्चो से बचा जा सकता हैं दूसरी और गंभीर रुप से बीमार मरीजों को प्रारंभिक अवस्था में ही चिन्हित कर उचित स्थान पर रेफर से इलाज के खर्च एवं समय में भी कमी लाई जा सकेगी अगर हमें आज स्वस्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना है और इसे ग्रामीण और शहरी पिछड़ा क्षेत्र की जनता को आसानी से एवं कम शुल्क में उपलब्ध कराना है तो हमें इसके लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है जिन्हें आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों पर आधारित बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया जाए।

यह पाठ्यक्रम एक सुदृढ़ स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण योजना के रुप में विकसित होगा । शिक्षा एक मूलभूत अधिकार है किंतु विगत वर्षो से शिक्षा प्राप्ति का उददेश्य सिर्फ सरकारी नौकरियां प्राप्त करना ही होता आ रहा है इस पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षित युवा बेरोजगारों के बीच स्वरोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे इसके क्रियान्वयन में आदिवारी एवं पिछड़े क्षेत्र की जनता को बहुत लाभ होगा साथ ही किसी भी विपरीत परिस्थितियों जैसे महामारी , बाढ़ या अन्य प्राकृतिक आपदाओं में शासकीय अमलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करने की स्थिति में होंगें एवं शासन पर बिना किसी वित्तीय अधिकार के गाँव गाँव मे स्वास्थ्य नेटवर्क उपलब्ध होगा जिस प्रकार प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनाओं ने देश के समक्ष एक अनूठा उदाहरण पेश किया है उसी प्रकार यह पाठ्यक्रम भी ग्रामीण एवं शहरी पिछड़ा क्षेत्र की जनता के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा जो स्वास्थ्य कार्यकर्ता भारतीय परिवेश में कार्य करने के लिए आवश्यक है।

इन्हें निम्न विषयों का प्रशिक्षण आवश्यक है

1.–राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत आने वाली बीमारियों का ज्ञान

2.–स्वास्थ्य जागरुकता से संबंधित संपूर्ण ज्ञान

3.–चिकित्सकों के आदेशों के पालन हेतु ज्ञान

4.–विभिन्न बीमारियों के लक्षणों की पहचान व चिन्हित करने का प्रशिक्षण

5.–जैविक चिन्ह जैसे रक्तचाप नाड़ी, ज्वर, पीलिया, रक्तअल्पता आदि का ज्ञान

6.–गंभीर बीमारियों के प्रारंभिक लक्षणों को चिन्हित कर उसे उपयुक्त समय पर उपयुक्त स्थान तक पहुंचाने हेतु प्रशिक्षण

7.–जटिल बीमारियों एवं वृद्धों की देखभाल का ज्ञान

8.–सामान्य बीमारियों का ज्ञान एवं बुनियादी चिकित्सा करने का ज्ञान

9.–प्राकृतिक आपदाओं के समय वैज्ञानिक तरीके से कार्य करने का प्रशिक्षण

10.–भारत की विभिन्न पद्धतियों (आयुर्वेद, होम्योपैथ, आधुनिक, प्राकृतिक, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियां) का आधारभूत ज्ञान

Scanned with CamScanner

उक्त प्रशिक्षण के पश्चात स्वरोजगार के रुप में कार्य कर जहां ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ करने के लिए स्तंभ का कार्य करेगा वही अस्पतालों में सहायक के रुप में कार्य कर गरीज को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता को बढ़ाने में सहयोगी होगा।

प्रवेश योग्यताः— स्नातकोत्तर पत्रोपाधि – स्नातक उत्तीर्ण (जीव विज्ञान अनिवार्य)

पाठ्यक्रम अवधि :–एक वर्ष सैद्धांतिक अध्ययन एवं तीन माह का क्लीनिकल प्रशिक्षण(शासन द्वारा मान्यता प्राप्त पंजीकृत अस्पताल / क्लीनिक द्वारा)

अध्ययन योजना :–

कार्यक्रम	अवधि	अनिवार्य संपर्क घंटे	कुल अध्ययन अवधि
आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण स्नातकोत्तर पत्रोपाधि (पी.जी. डिप्लोमा) कोर्स	1 वर्ष	सैद्धांतिक अनुदेशो एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण के लिए अनिवार्य संपर्क घंटे	480 घंटे

Scanned with CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण

अकादमिक सत्र 2021 – 22

पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्चा

विषय –1 आधारभूत जीव विज्ञान एवं पैथोलॉजी

विषय –2 मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य देखभाल

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम, परिवार कल्याण कार्यक्रम

विषय –3 सामान्य रोग, संक्रमक रोग एवं आपात रोगों का प्रबंधन एवं विभिन्न पद्धतियों से उपचार

विषय –4 प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण, जैव चिकित्सीय प्रबंधन और जानकारी नियंत्रण संरचना

Scanned with CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण

अकादमिक सत्र 2021 – 22

प्रथम प्रश्नपत्र

आधारभूत जीव विज्ञान एवं पैथालॉजी

अधिकतम अंक –100 उत्तीर्णांक – 40

(सैद्धांतिक परीक्षा–70)

(आंतरिक मूल्यांकन–30)

इकाई –1 :

मानव शरीर परिचय :– शरीर रचना विज्ञान और क्रिया विज्ञान, कोशिका : जीवन की मूलभूत इकाई, ऊतक, त्वचा संस्थान।

इकाई–2:

अस्थि–संस्थान या कंकाल तंत्र :– जोड़ या संधियां, पेशीय संस्थान, तंत्रिका तंत्र, ज्ञानेन्द्रिया, अन्तःस्त्रावी संस्थान ।

इकाई –3 :

रक्त परिसंचरण संस्थान :– लसीकीय संस्थान, श्वसन संस्थान, पाचन संस्थान, पोषण एवं चयापचय, मूत्रीय संस्थान, प्रजनन संस्थान।

इकाई – 4 :

आधारभूत पैथोलॉजी :– चिकित्सा परजीवी, विसंक्रमण एवं कीटाणु शोधन, नैदानिक रक्त विज्ञान, मूत्र विश्लेषण, मल की जांच।

Scanned with CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण

अकादमिक सत्र 2021 – 22

द्वितीय प्रश्न पत्र

मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य देखभाल

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम, परिवार कल्याण कार्यक्रम

अधिकतम अंक –100 उत्तीर्णांक – 40

(सैद्धांतिक परीक्षा–70)

(आंतरिक मूल्यांकन–30)

इकाई –1 :

मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य देखभाल :– बाल्यावस्था, किशोरावस्था, गर्भधारण, प्रसव पूर्व देखभाल, प्रसव के दौरान देखभाल, स्तनपान, स्त्रियों की समस्याएं, परिवार नियोजन, एसटीडी एवं चर्मरोग, मानसिक स्वास्थ्य।

इकाई–2:

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम :– राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम, गैर–संचारणीय रोगों की रोकथाम और नियंत्रण, संशोधित राष्ट्रीय टी. बी. नियंत्रण कार्यक्रम,सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम, प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम राष्ट्रीय आयोडीन अल्प विकार नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय बधिरता निवारण व नियंत्रण कार्यक्रम, स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन।

इकाई –3 :

परिवार कल्याण कार्यक्रम :– परिवार कल्याण कार्यक्रमों का महत्व, सर्वव्यापी प्रतिरक्षण कार्यक्रम का महत्व, परिवार कल्याण कार्यक्रम की आवश्यकता, परिवार नियोजन , अस्थायी उपाय, अवरोधी उपाय, रासायनिक अवरोध, मिश्रित अवरोध, अंतगर्भाशयी उपकरण, हार्मोन युक्त औषधियां, स्थायी उपाय, पुरूष नसबंदी, महिला नसबंदी, अस्थाई पद्धति, पुरूष कण्डोम, महिला कण्डोम, डायाफ्राम,यौनांग स्पंज, आईयूडी, खाने वाली गर्भनिरोधक गोलियां, मिश्रित गोलियां, उपत्वचीय प्रत्यारोपण, हार्मोनल योनांग रिंग सेन्टकोमन, स्थाई पद्धति (नसबंदी), पुरूष व महिला नसबंदी, पोस्ट क्वाइटल गर्भ निरोधम, कैफेटेरिया एप्रोज, दो बच्चों के जन्म के बीच में अंतराल।

Scanned with CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण

अकादमिक सत्र 2021 – 22

तृतीय प्रश्न पत्र

सामान्य रोग, संक्रमक रोग एवं आपात रोगों का प्रबंधन एवं विभिन्न पद्धतियों से उपचार

उत्तीर्णांक – 40

अधिकतम अंक –100
(सैद्धांतिक परीक्षा–70)
(आंतरिक मूल्यांकन–30)

इकाई –1 :

संक्रामक रोग :– चेचक, छोटी माता, हैजा,डेंगू ज्वर, सूजाक,हेपेटाइटिस ए,बी,सी,डी,ई , इनफ्लूएंजा,कुष्ठ रोग, मलेरिया ,खसरा, तन्त्रिका शोध, प्लेग, उपदंश, टिटेनस, क्षय, पीत ज्वर, एड्स, मियादी बुखार (टायफॉयड), स्वाइन फ्लू, पोलियो, कोरोना वायरस।

इकाई –2 :

सामान्य रोग :– सिर दर्द, दमा, घेंघा रोग, घुटनों का दर्द, रक्त चाप, मोटापा, जुकाम, मधुमेह, बाल झरना, परजीवी कृमि संक्रमण, निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन), कब्ज, ज्वर, अल्सर, तम्बाकू सेवन के दुष्परिणाम, औषधि प्रतिक्रिया के कारण उत्पन्न आपात स्थिति।

इकाई –3 :

आपातकालीन रोगों का प्रबंधन एवं निवारण, प्रारंभिक परीक्षण वायु मार्ग, प्रारंभिक परीक्षण, श्वसन, मरीज परीक्षण चिकित्सा, आघात मरीज परीक्षण, ट्राइएज प्रोटोकॉल, चेतन अवस्था में बदलाव, एलर्जी एनपफायलैक्सिस, श्वास संबंधी समस्याएं, हृदय रुकना, सीने में दर्द, मिर्गी, बुखार, उच्च रक्तचाप, डायरिया, अत्यधिक वजन, पेट दर्द, लकवा, बेहोशी, लू लगना, फांसी, शरीर का तापमान कम होना, कीटपतंगों का डंक, डूबना, विषाक्तता, साँप का दंश, आघात आपातकाल, आधात मामलों में सामान्य आदेश, पेट का आघात, जलने का आघात, सीने का आधात, बाहर रक्तस्त्राव व अन्य विच्छेद, हाथ पैर का आघात, सिर और रीढ़ की हड्डी का आघात, सदमा, अत्यधिक आधात, बाल चिकित्सा का आकलन, ज्वरसे मिर्गी, आकस्मिक शिशु जन्म।

इकाई –4 :

विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों द्वारा सामान्य एवं आकस्मिक रोगों का उपचार :– आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति, होम्योपैथ चिकित्सा पद्धति, आधुनिक (एलोपैथ) चिकित्सा पद्धति, प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति, योग चिकित्सा पद्धति, वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियां।

Scanned with CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

आधारभूत स्वास्थ्य संरक्षण

अकादमिक सत्र 2021 – 22

चतुर्थ प्रश्न पत्र

प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल और बुनियादी चिकित्सा

अधिकतम अंक –100 उत्तीर्णांक – 40

(सैद्धांतिक परीक्षा–70)

(आंतरिक मूल्यांकन–30)

इकाई –1 :

प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल एवं रोगों के रोकथाम के उपाय :– विशिष्ट संरक्षण, पुनर्वासन, प्राथमिक निवारण, व्यक्तिगत स्वास्थ्य विज्ञान, संगरोध उपाय, सूचनीय रोग।

इकाई –2 :

प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा के सिद्धांत :–

प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा के 8 प्रमुख तत्व

1. सामुदाय की ज्वलंत स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम एवं नियंत्रण के बारे में लोगों को शिक्षित करना।
2. खाद्य पदार्थो के वितरण को बढ़ावा देना और समुदाय के पोषण स्तर को सुधारना।
3. समुदाय में स्वच्छ पानी प्रदाय सुनिश्चित करना बुनियादी स्वच्छता का महत्व बताना एवं स्वच्छता बनाए रखना।
4. गर्भवती महिला एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधित आवश्यक कदम उठाना।
5. छः जानलेवा और अंपगता करने वाली बीमारियों का टीकाकरण कार्यक्रम।
6. स्थानीय बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण।
7. पोस्ट ग्रेजुएट बुनियादी चिकित्सा प्रशिक्षण उपरांत पाठ्यक्रम की रुपरेखा के अनुरुप सामान्य एवं आकस्मिक बीमारियों की जांच उचित उपचार एवं जरुरत के हिसाब से मरीज को उच्च केंद्र में रेफर करेगा।
8. व्यापक स्वास्थ्य देखभाल हेतु बुनियादी चिकित्सा सुविधा केन्द्र स्थापित करेगा।

इकाई –3 :

पोषण :– हमारा भोजन, भोजन के कार्य, पोषण तथा पोषक तत्व(कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज जल) भोजन समूह, संतुलित आहार, पोषण संबंधी आवश्यकता, पोषण संबंधी विकार और कुपोषण।

इकाई –4 :

जैव चिकित्सीय प्रबंधन और जानकारी नियंत्रण संरचना, परिचय, उद्देश्य, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, जैव–चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के लाभ, संक्रमण नियंत्रण, नोसोकोमियल संक्रमण, स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों की शिक्षा और प्रशिक्षण, नोसोकोमियल संक्रमण निगरानी।

Scanned with CamScanner